# अरब लीग

## प्रलिम्सि के लयि:

अरब लीग, मध्य पूर्व, खाड़ी देश, तेल, प्रेषण, सीरयिा संकट।

## मेन्स के लयि:

अरब लीग- मध्य पूर्व में भारत का महत्त्व।

## चर्चा में क्यों?

एक दशक से अधकि के नलिंबन के बाद हाल ही में **अरब लीग ने सीरयिा को फरि से संगठन में शामलि कर लयिा** है।

## सीरयिा को अरब लीग में क्यों शामलि कयिा गया है?

- **नलिंबन:**
  - सरकार वरिोधी प्रदर्शनों पर हसिक रूप से कानूनी कार्रवाई के बाद **वर्ष 2011 में सीरयिा को अरब लीग से नलिंबति कर दयिा गया** था।
  - अरब लीग ने **सीरयिा पर शांति योजना का पालन नहीं करने का आरोप** लगाया, जसिमें सैन्य बलों की वापसी, राजनीतकि कैदयिों की रहिाई और वपिक्षी समूहों के साथ बातचीत शुरू करने का आह्वान कयिा गया था।
  - शांति वार्ता और युद्धवरिाम समझौते के प्रयासों के बावजूद, हसिा जारी रही, जसिके चलते अंततः सीरयिा को संगठन से नलिंबति कर दयिा गया।
  - इस नलिंबन से सीरयिा को आर्थकि एवं कूटनीतकि परणिामों को सामना करना पड़ा।
- **पुनः शामलि कयिा जाना:**
  - यह कदम सीरयिा तथा अन्य अरब देशों की सरकारों के बीच संबंधों में नरमी का प्रतीक है और इसे **सीरयिा में जारी संकट के समाधान हेतु एक क्रमकि प्रक्रयिा की शुरुआत** के रूप में देखा जा रहा है।
    - सीरयिा संकट के परणिामस्वरूप **21 मलियिन की युद्ध-पूर्व आबादी के लगभग आधे हसि्से का वसि्थापन** हुआ है और 300,000 से अधकि नागरकिों की मृत्यु हुई है।
  - **सीरयिा को इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लयि एक समति की स्थापना** की जाएगी जसिमें मसि्र, सऊदी अरब, लेबनान, जॉर्डन और इराक शामलि होंगे।
    - लेकनि इस नरि्णय का मतलब अरब राज्यों और सीरयिा के बीच संबंधों की बहाली नहीं है क्योंकि यह प्रत्येक देश पर नरि्भर करता है कि वह इसे व्यक्तगित रूप से तय करे।
  - यह **सीरयिा में जारी गृहयुद्ध से उत्पन्न संकट के समाधान का आह्वान** करता है, जसिमें शरणार्थयिों के पड़ोसी देशों में प्रवास करने और पूरे क्षेत्र में नशीली दवाओं की तस्करी शामलि है।

## अरब लीग क्या है?

- **परचिय:**
  - अरब लीग, जसि **लीग ऑफ अरब स्टेट्स (LAS)** भी कहा जाता है, **मध्य पूर्व** और उत्तरी अफ्रीका के सभी अरब देशों का एक अंतर-सरकारी समग्र-अरब संगठन (pan-Arab organisation) है।
  - **वर्ष 1944 में अलेक्जेंड्रयिा प्रोटोकॉल** को अपनाने के बाद 22 मार्च, 1945 को काहरि, मसि्र में इसका गठन कयिा गया था।
- **सदस्य:**
  - **वर्तमान में इसमें 22 अरब देश शामलि हैं:** अल्जीरयिा, बहरीन, कोमोरोस, जबिूती, मसि्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबयिा, मॉरटिानयिा, मोरक्को, ओमान, फलिसि्तीन, कतर, सऊदी अरब, सोमालयिा, सूडान, सीरयिा, ट्यूनीशयिा, संयुक्त अरब अमीरात और यमन।

//

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य अपने सदस्यों के **राजनीतकि, सांस्कृतकि, आर्थकि एवं सामाजकि कार्यक्रमों** को मज़बूती प्रदान करना तथा उन्हें समन्वयति करना और उनके बीच या उनके एवं तीसरे पक्ष के बीच **ववािदों की मध्यस्थता** करना है।
    - 13 अप्रैल, 1950 को संयुक्त रक्षा और आर्थकि सहयोग संबंधी एक समझौते पर हस्ताक्षर ने भी सभी**हस्ताक्षरकर्त्ताओं को सैन्य रक्षा उपायों के समन्वय के लिए प्रतिबद्ध कयिा**।
- **चतिाएँ:**
  - अरब लीग की उन **मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने में असमर्थता के चलते आलोचना** की गई है जनि्हें संभालने के लयिे इसका गठन कयिा गया था। इस संस्थान तथा इसके उद्देश्य वाक्य **"एक अरब राष्ट्र एक शाश्वत मशिन के साथ"** (one Arab nation with an eternal mission) जसिे अब अप्रचलति माना जा रहा है, की प्रासंगकिता पर भी सवाल उठ रहे हैं।
    - इससे ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जहाँ नेताओं के वार्षकि शखिर सम्मेलन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों को स्थगति या रद्द कर दयिा गया है।
  - **नरि्णयों को लागू करने और अपने सदस्यों के बीच संघर्षों का समाधान करने में प्रभावशीलता की कमी** के चलते लीग की आलोचना भी की गई है। इस पर एकजुटता भंग करने, खराब प्रशासन और अरब लोगों एक बजाय**नरिंकुश शासन का अधकि प्रतनिधिति्व होने का आरोप** भी लगाया गया है।

## भारत के लयिे मध्य पूर्व/उत्तरी अफ्रीका (MENA) का महत्त्व

- **मध्य पूर्व:**
    - **ईरान जैसे देशों के साथ सदियों से भारत के अच्छे संबंध** रहे हैं, जबकि **छोटा सा गैस समृद्ध देश कतर इस क्षेत्र में भारत के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक** है।
    - खाड़ी के अधिकांश देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं।
    - इन **संबंधों के दो सबसे महत्त्वपूर्ण कारण तेल एवं गैस तथा व्यापार** हैं।
    - दो अन्य कारण **खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों की भारी संख्या** और उनके द्वारा देश में भेजे जाने वाले प्रेषण हैं।
- **उत्तरी अफ्रीका:**
    - **मोरक्को और अल्जीरिया** जैसे उत्तर अफ्रीकी देश भारत के लिये महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि वे अफ्रीका के अन्य हिस्सों हेतु प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। भारत की **फ्रैंकोफोन अफ्रीका (फ्रेंच भाषी अफ्रीकी राष्ट्र)** में प्रवेश की इच्छा को देखते हुए यह क्षेत्र भारत के लिये अधिक प्रासंगिक हो जाता है।
    - स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत के रूप में अपनी क्षमता के कारण उत्तरी अफ्रीका भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र **में प्रचुर मात्रा में सौर एवं पवन संसाधन उपलब्ध** हैं, जिनका उपयोग विद्युत उत्पादन हेतु किया जा सकता है।
        - भारत ने महत्त्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किये हैं और **उत्तरी अफ्रीका भारत को अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने का अवसर प्रदान कर सकता है।**
    - इसके अलावा **उत्तरी अफ्रीका की रणनीतिक अवस्थिति इसे व्यापार एवं वाणिज्य के लिये एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र** बनाती है।
    - उत्तरी अफ्रीका स्वेज़ नहर के माध्यम से होने वाले वैश्विक व्यापार के परस्पर प्रतिच्छेद मार्ग पर है। वर्ष 2022 में 22000 से अधिक जहाज़ पारगमन के साथ, यह नहर विश्व के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है।

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

**प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2018)**

कभी-कभी समाचारों में चर्चित शहर: देश

1. अलेप्पो — सीरिया
2. किरकुक — यमन
3. मोसुल — फिलिस्तीन
4. मज़ार-ए-शरीफ — अफगानिस्तान

**उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?**

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3 और 4

**उत्तर: (b)**

---

**प्रश्न. दक्षिण-पश्चिम एशिया का निम्नलिखित में से कौन-सा एक देश भूमध्य सागर तक नहीं फैला है? (2015)**

(a) सीरिया
(b) जॉर्डन
(c) लेबनान
(d) इज़रायल

**उत्तर: (b)**

---

**प्रश्न.'गोलन हाइट्स' के नाम में जाना जाने वाला क्षेत्र निम्नलिखित में से किससे संबंधित घटनाओं के संदर्भ में यदा-कदा समाचारों में दिखाई देता है?(2015)**

(a) मध्य एशिया
(b) मध्य-पूर्व
(c) दक्षिण-पूर्व एशिया
(d) मध्य अफ्रीका

**उत्तर: (b)**

---

**प्रश्न. योम कप्पिुर युद्ध कनि पक्षों/देशों के बीच लड़ा गया था? (2008)**

(a) तुर्कयि और ग्रीस
(b) सर्ब और क्रोट्स
(c) मस्रि और सीरयिा के नेतृत्त्व में इज़रायल और अरब देश
(d) ईरान और इराक

**उत्तर: (c)**

## [स्रोत: इकनॉमकि टाइम्स]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/arab-league